Ayush, GMP, and WHO certified

RAYHOPE GLOBAL

Ray of Hope

Nari Sanjivani

500 ml

1199/- M.R.P

Product by
Rayhope Global

www.rayhopeglobal.com **info@rayhopeglobal.com**

Contents

- Ashok
- Shatavari
- Dashmool
- Sheetal chini
- Vidara
- Vach
- Raisun
- Nagkesar
- Tulsi
- Dalchini
- Kalimirch
- Bai Bidhang
- Anant mool
- Dev daru
- Jata masi
- Mango seed
- Barh
- Semal
- Bali
- Khair
- Saunth
- Bhangra
- Safed zeera
- Haraar
- Lodha
- Amla
- Aswagandha
- Kamal
- Baheda
- Motha
- Chirayta
- Kasis
- Daru Haridra
- Lajwanti
- Safed musli
- Supari
- Mai
- Maju
- Dhaniya
- Jeera
- Chitrak
- Singhara
- Aloevera
- Hadzod
- Shank bhasma
- Shilajeet
- Kaunch beej
- Arjun chhal
- Rassana
- Nirgundi
- Sugar

भारतीय समाज में महिलाओं को बहुआयामी रूप में जाना जाता है। घर के कामकाज से लेकर दफ्तर संभालने तक, पिछले एक दशक में लगभग हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती देखी गई है। हालांकि महिलाओं से संबंधित जो एक चिंता अब भी जस का तस बनी हुई है वह है उनका स्वास्थ्य। आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर महिलाएं कार्य-जीवन का संतुलन बनाने में असमर्थ रह जाती हैं। यही कारण है कि देश में पुरुषों की तुलना में महिलाओं में कई तरह की बीमारियों का जोखिम काफी अधिक होता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं,

- देश में 68 फीसदी से अधिक महिलाएं जीवनशैली से संबंधी बीमारियों से पीड़ित हैं।
- पचास फीसदी महिलाएं काम के दबाव और समय सीमा के कारण घर के खाने की जगह जंक फूड का अधिक सेवन करती हैं।
- शारीरिक निष्क्रियता, अस्वास्थ्यकर भोजन की आदतें और शरीर के पॉश्चर सही न होने जैसे कारक महिलाओं में कई तरह की बीमारियों के खतरे को बढ़ा रहे हैं।

आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि महिलाओं में किन लाइफस्टाइल बीमारियों का खतरा अधिक होता है, जिसको लेकर उन्हें सावधानी बरतनी चाहिए।

स्तन कैंसर का बढ़ता खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक वैसे तो महिलाओं में इस कैंसर का खतरा अनुवांशिक हो सकता है, पर अल्कोहल का सेवन, बढ़ता वजन, शारीरिक निष्क्रियता और खान-पान में पौष्टिकता की कमी जैसे कारक इस कैंसर के खतरे को बढ़ा रहे हैं। *28* में से एक भारतीय महिला को अपने जीवनकाल में स्तन कैंसर होने की आशंका होती है।

डिप्रेशन/चिंता विकार

भारतीय महिलाओं में डिप्रेशन/चिंता विकार के मामलों में भारी उछाल देखा गया है। इसका मुख्य कारण लंबे समय तक काम करते रहना, सामाजिक-व्यावहारिक कारक और खुद के लिए समय न निकाल पाना माना जाता है। इसके अलावा नींद और व्यायाम की कमी, महिलाओं में शराब की बढ़ती लत जैसी आदतें अवसाद का कारण बन सकती हैं।

हृदय रोग और डायबिटीज

अध्ययन में पाया गया कि गतिहीन जीवनशैली के कारण *5* में से *3* महिलाओं में *35* वर्ष की आयु में ही हृदय रोगों का जोखिम बढ़ जाता है। अस्वास्थ्यकर भोजन की आदतें, शारीरिक निष्क्रियता, अनुचित शारीरिक मुद्रा जैसे कारक हृदय रोग के साथ डायबिटीज के जोखिमों को भी बढ़ा देते हैं।

थायरॉयड

आंकड़े बताते हैं कि करीब **60** फीसदी भारतीय महिलाएं थायरॉयड विकारों से पीड़ित हैं। गले में मौजूद तितली के आकार की थायरॉयड ग्रंथि के ठीक से काम न करने के कारण हार्मोन का उत्पादन प्रभावित हो जाता है, जिसके कारण कई तरह की थायरॉयड से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। उम्र बढ़ने के साथ इस तरह की समस्या से बचे रहने के लिए **30** की आयु के बाद हर महिला को सालाना थायरॉइड स्टिम्युलेटिंग टेस्ट (टीएसएच परीक्षण) जरूर कराना चाहिए। थायरॉयड समस्याओं के कारण बाल झड़ने, अवसाद और अनियमित मासिक धर्म चक्र जैसी दिक्कतें हो सकती हैं।

सर्वाइकल कैंसर

भारत में हर साल लगभग *74* हजार से अधिक महिलाओं की मृत्यु सर्वाइकल कैंसर से होती है। इसकी मौत को तभी कम किया जा सकता है जब इस कैंसर का शुरुआती चरणों में निदान और इलाज किया जाए। लेकिन चिंताजनक बात यह है कि ज्यादातर मामलों में इस कैंसर का निदान ही उन्नत चरणों में हो पाता है।

एनीमिया

वैश्विक पोषण रिपोर्ट *2017* के अनुसार*, 15-49* वर्ष की आयु के बीच की *51* फीसदी भारतीय महिलाएं एनीमिया *(*लाल रक्त कोशिकाओं की कमी*)* की शिकार हो जाती हैं। शरीर के बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने और कई तरह के रोगों के खतरे से बचाव के लिए लाल रक्त कोशिकाओं की पर्याप्त मात्रा आवश्यक होती है।

आंखों से संबंधित कई तरह की गंभीर बीमारियों

एक अध्ययन के अनुसार, कुछ संभावित जैविक कारकों के चलते भारतीय महिलाओं में पुरुषों की तुलना में अंधेपन की समस्या का खतरा ***35*** प्रतिशत अधिक होता है। डायबिटीज जैसी बीमारियां भी आंखों की सेहत पर गंभीर असर डाल सकती हैं।

इन चार बिमारियों को विस्तार से समझते हैं

- **PCOD**
- **PCOS**
- **Leucorrhoea (** लिकोरिआ **)**
- **Female infertility (**महिला बांझपन **)**

• PCOD पॉली सिस्टिक ओवरी डिसऑर्डर

एक प्रकार का हार्मोनल विकार होता है। प्रभावित महिलाओं के बढ़े हुए अंडाशय में कई छोटे सिस्ट्सपाए जाते हैं। यह अधिकतर महिलाओं की प्रजनन आयु में उन्हें प्रभावित करता है। इस डिसऑर्डर में, महिला का शरीर असंतुलित तरीके से हार्मोन का उत्पादन करने लगता है जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में पुरुष हार्मोन *(*एण्ड्रोजन*)* का उत्पादन भी बढ़ जाता है। एक शोध के अनुसार, हर दस में से एक महिला इस डिसऑर्डर से पीड़ित है।

15 और *44* वर्ष के बीच, या उन वर्षों के दौरान जब उनको बच्चे हो सकते हैं, *PCOD* से पीड़ित हो जाती हैं। अधिकांश महिलाओं को उनके *20* और *30* की आयु में पता चलता है कि उनको पीसीओडी है,

PCOD सभी जातियों और नस्लों की महिलाओं को हो सकता है। अगर आप मोटे हैं और आपकी मां, बहन या मौसी को *PCOD* की समस्या हैं तो आपको भी पीसीओडी होने का खतरा अधिक हो सकता है।

- **पीसीओडी के लक्षण**

- अनियमित पीरियड्स
- एण्ड्रोजन (पुरुष हार्मोन)
- चेहरे पर मुंहासे
- चेहरे पर अत्यधिक बाल
- अंडाशय का बढ़ जाना
- पीरियड्स के दौरान हैवी ब्लीडिंग
- वजन बढ़ना
- त्वचा पर काले धब्बे
- सिर दर्द
- बालों का पतला होना

• PCOD की जटिलताएं क्या हैं?

यदि इसे अनुपचारित छोड़ दिया जाता है, तो पॉलीसिस्टिक ओवेरी सिंड्रोम (PCOS) को जन्म दे सकता है। एक महिला के प्रजनन स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए सही समय पर निदान और उपचार महत्वपूर्ण हैं। PCOD से जुड़ी कुछ सामान्य जटिलताओं में शामिल हैं:

- गर्भधारण करने में अक्षमता
- मधुमेह या डायबिटीज
- गर्भपात
- समय से पहले जन्म
- लीवर की सूजन
- स्लीप एप्निया
- *उपापचयी लक्षण
- डिप्रेशन और चिंता सहित मूड विकार
- गर्भाशय से असामान्य रक्तस्राव
- कैंसर

• पीसीओडी **(PCOD)** व पीसीओएस **(PCOS)** में क्या अंतर हैं **?**

PCOS एक मेटाबोलिक डिसऑर्डर है।

- जिन महिलाओं को पीसीओएस होता है उन्हें आगे चल कर डायबिटीज़, उच्च रक्तचाप व हृदय रोगों के होने की सम्भावना बढ़ जाती है। इसके साथ साथ मोटापा और यहां तक कि कैंसर भी होने के चांस पीसीओएस से जुड़े हुए हैं

- पीसीओएस का पता जल्दी चल जाता है : जिन महिलाओं को पीसीओएस होता है उन्हें उनकी टीनएज से ही कुछ लक्षण दिखने शुरू हो जाते हैं और जिन महिलाओं को यह स्थिति होती है उन्हें बांझपन का भी खतरा होता है। उन्हें मिसकैरिज होने के भी बहुत अधिक संभावना रहती हैं।

- हालांकि दोनों स्थितियों के लक्षण काफी समान है लेकिन फिर भी पीसीओडी से जूझ रही महिलाओं को आसानी से ओवुलेशन हो जाता है और उन्हें कंसीव करने में भी ज्यादा समस्या नहीं आती है। बल्कि जिन्हें पीसीओएसहोता है वह आसानी से कंसीव नहीं कर पाती हैं उन्हें ज्यादा मुसीबतों का सामना करना पड़ता है।

• **Leucorrhoea** ल्यूकोरिया

ल्यूकोरिया को सफेद पानी या श्वेत प्रदर या फिर वाइट डिस्चार्ज **(White Discharge)** भी कहते हैं. यह फीमेल में होने वाली एक आम बीमारी है. इसमें वेजाइना से सफेद रंग का गाढ़ा और दुर्गंधयुक्त पानी निकलता है. इंफेक्शन बढ़ने पर स्राव पीले, हल्के नीले या हल्के लाल रंग का, और बहुत चिपचिपा एवं बदबूदार होता है. ये किसी बड़ी बिमारी जैसे किसी गर्भाशय से संबंधित रोग का लक्षण भी हो सकता है.

• ल्यूकोरिया के लक्षण

- योनिमार्ग में तेज खुजली होना
- कमजोरी महसूस होना एवं चक्कर आना
- कमर में दर्द बना रहना
- बार-बार पेशाब आना और यूरिनरी ब्लैडर में भारीपन बना रहना
- भूख ना लगना एवं जी मिचलाना
- आखों के नीचे काले घेरों का पड़ना
- थोड़ा-सा मेहनत करने पर भी थक जाना
- आंखों के सामने अंधेरा छा जाना और कभी-कभी चक्कर आना
- पिंडलियों में खिंचाव एवं शरीर भारी रहना
- चिड़चिड़ापन

• ल्यूकोरिया के कारण

पीरियड्स के पहले या बाद में थोड़ी मात्रा में सफेद पानी बहना साधारण बात है , लेकिन अधिक मात्रा में, नियमित रूप से पीला या नीलापन के साथ फ्लयूड आने लगे तो ये कारण हो सकते हैं.

- पोषण की कमी,
- वेजाइना के साफ-सुथरा न रहने से,
- खून की कमी और तला हुए तेज मसालेदार भोजन करने से

योनि में 'ट्रिकोमोन्स वेगिनेल्स' नामक बैक्टीरिया के कारण ल्यूकोरिया होता है.

- बार-बार एबॉर्शन होना या कराना.
- डायबिटीज से ग्रस्त महिला के वेजाइना में फंगल यीस्ट होना.
- असुरक्षित यौन संबंधों से होने वाले संक्रमण के कारण.
- इम्यून सिस्टम कमजोर होने के कारण.
- अधिक तनाव या मेहनत करने के कारण.
- कॉपर-टी लगे होने पर

- **Female infertility** महिला बाँझपन

किसी महिला के गर्भधारण करने में असक्षमता को, महिला बांझपन यानी फीमेल इनफर्टिलिटी कहा जाता है। यदि किसी महिला के गर्भधारण होने में समस्या आ रही है, तो इसका मतलब है कि उस महिला में बांझपन की समस्या हो सकती है। गर्भधारण ना होने का कारण पुरुष बाँझपन भी हो सकता है।

कुछ महिलाओं को शादी के बाद गर्भधारण होने में समस्या होती है और कुछ महिलाओं को एक बच्चे होने के बाद दूसरी बार गर्भधारण होने में मुश्किलें आती है।

• महिलाओं में बांझपन के लक्षण

- महिला का गर्भधारण करने में असक्षम होना है।
- अगर किसी महिला की पीरियड साइकिल बहुत लम्बी यानि **35** दिन या इससे अधिक की है या फिर बहुत छोटी यानि **21** दिन से पहले की है**,** तो यह भी महिला बाँझपन का एक लक्षण हो सकता है।
- अनियमित पीरियड्स या पीरियड्स का ना आना। पीरियड्स के ना आने का मतलब होता है कि महिला के गर्भाशय **(uterus)** में ओवुलेशन नहीं हो रहा है यानि महिला के अंडाशय **(ovary)** से अंडे बहार निकलने में असक्षम हो जाते है।
- चेहरे पर अनचाहे बालों का आना या सिर के बालों का झड़ना।

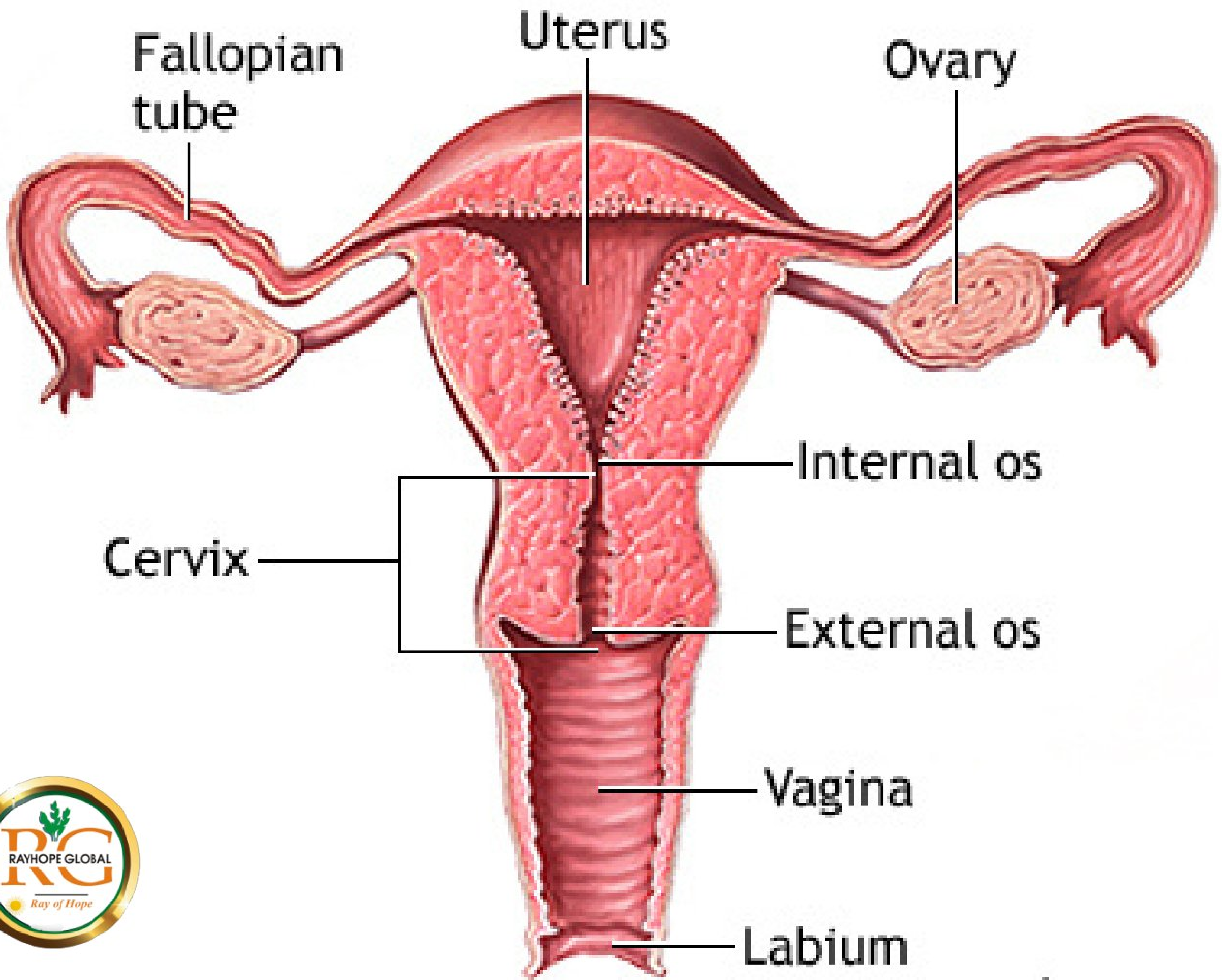
Fallopian tube
Uterus
Ovary
Internal os
Cervix
External os
Vagina
Labium

• महिला बांझपन के कारण

- **ओव्यूलेशन डिसऑर्डर :** लगभग **15%** महिलाएं ओवुलेशन विकारों के कारण बांझपन के साथ संघर्ष कर रही हैं। ओवुलेशन डिसऑर्डर में अंडे ओवरी से बहार नहीं निकल पाते हैं जिससे दम्पत्तिओं के लिए गर्भधारण करना असंभव हो जाता है।
- **एंडोक्राइन डिसऑर्डर :** एंडोक्राइन डिसऑर्डर में शरीर की ग्रंथियां **(glands)** सामान्य से ज़्यादा या कम हॉर्मोन का उत्पादन करने लगती है, और हॉर्मोन के असंतुलन के कारण से बांझपन की समस्या हो सकती है।
- **ट्यूबल ब्लॉकेज :** यह महिला बांझपन के संभावित कारणों में से एक है। फैलोपियन ट्यूब गर्भधारण होने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं क्योंकि यहाँ अंडे और शुक्राणु का निषेचन होता हैं। बंद यानि ब्लॉक फैलोपियन ट्यूब के कारण निषेचन की प्रक्रिया में बाधा आ जाती है।
- **एंडोमेट्रियोसिस :** एंडोमेट्रियोसिस के साथ लगभग एक तिहाई महिलाएं बांझपन की समस्या के साथ संघर्ष कर रही हैं। इस समस्या में एंडोमेट्रियल टिशू गर्भाशय के बाहर बढ़ने लगते है, जिससे श्रोणि **(pelvic)** अंगों को नुकसान होता है और एक महिला के गर्भधारण होने में बाधा उत्पन्न करते हैं।

• महिला बांझपन के कारण

- **उम्र :** कम उम्र यानि **20** वर्ष की उम्र में महिलाओं की फर्टिलिटी अधिक होती है और **35** के बाद उनकी फर्टिलिटी कम होने लगती है। ऐसा इलसिए क्योंकि उम्र के बढ़ने के साथ-साथ महिलाओं के अंडों की गुणवत्ता और मात्रा दोनों ही कम हो जाती हैं।
- **तनाव :** तनाव हमारे वजन व हॉर्मोन को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है**,** इसलिए तनाव के कारण भी महिलाओं में इनफर्टिलिटी की समस्या हो सकती है।
- **हार्मोनल असंतुलन :** हॉर्मोनल असंतुलन के कारण थायराइड या पीसीओएस जैसी समस्या हो सकती है।
- **आधुनिक जीवनशैली :** अधिक वजन या कम वजन का होना अस्वस्थ जीवनशैली का परिणाम है**,** जो एक महिला के मासिक चक्र को प्रभावित करता है और बांझपन का कारण बन सकता है।
- **अन्य विकार :** अन्य कई विकार भी हैं**,** जो एक महिला की फर्टिलिटी को प्रभावित कर सकते हैं जैसे यूटेराइन फाइब्रॉएड**,** ऑटोइम्यून डिसऑर्डर**,** पेल्विक इंफ्लेमेटरी डिजीज**,** गर्भाशय का असामान्य आकार**,** पोलिप्स और संक्रमण यानि इन्फेक्शन।
- **शराब या ड्रग का सेवन करना :** अधिक मात्रा में शराब या ड्रग के सेवन करने से फर्टिलिटी कम हो सकती हैक्यूंकि इससे महिला के अंडों पर नकारत्मक प्रभाव पड़ता है।

आइए नारी संजीवनी की प्रत्येक महत्वपूर्ण सामग्री के बारे में जानना शुरू करें

Ashoka

600 mg per 10 ml

- त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है
- मधुमेह के लक्षणों को कम करता है
- संक्रमण से लड़ने में मदद करता है
- दस्त रोकने में मदद करता है

Shatavari

400 mg per 10 ml

- इसमें सैपोनिन्स के कारण एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं
- इसमें रेसमुफुरान के कारण एंटीइन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं
- इम्युनिटी बढ़ाता है
- खांसी का इलाज करता है
- अल्सर का इलाज करता है
- गुर्दे की पथरी का इलाज करता है

Hadjod

150 mg per 10 ml

- हड्डी के फ्रैक्चर का इलाज करता है
- बवासीर को ठीक करने में मदद करता है
- वजन घटाने में मदद करता है
- सांस की बीमारी का इलाज करता है
- मांसपेशियों के निर्माण में सहायक

Dashmool

100 mg per 10 ml

दशमूल एक प्रकार का मूल या जड़ें होती है। यह आयुर्वेद की प्रमुख औषधि है। इसमें बेल, पाढ़ल, गंभार, सोना पाढ़ा, अरनी, सरिवन, पिढ़वन, बड़ी कटेरी, छोटी कटेरी और गोखरू पाया जाता है। इसमें इन पेड़ों की जड़ की छाल या जड़ का इस्तेमाल किया जाता है।

- अधिक थकान , कमजोरी , चक्कर आना को दूर करता है
- अनिद्रा ,चिंता व तनाव को कम करता है
- याददास्त को सही करता है
- कमर दर्द को सही करता है
- भूख को बढ़ाता है

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

Sheetal chini

100 mg per 10 ml

- बवासीर को ठीक करने में मदद करता है
- इन्फ्लुएंजा बुखार को ठीक करने में मदद करता है
- सर दर्द को दूर करने में मदद करता है
- खांसी से छुटकारा दिलाने में मदद करता है

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

- पेट दर्द में आराम दिलाए
- पेशाब में जलन को कम करता है
- गर्भधारण करने में मदद करता है
- सफेद प्रदर या ल्यूकोरिया को ठीक करने में मदद करता है
- पक्षाघात (लकवा) में लाभदायक होता है
- जोड़ों के दर्द को दूर करने में लाभदायक होता है
- चर्म रोग को दूर करने में लाभदायक होता है

vidhara

100 mg per 10 ml

Vacha

100 mg per 10 ml

- **माइग्रेन (अधकपारी) में रामबाण औषधि है**
- याददाश्त (स्मरण शक्ति) बढ़ाने में मदद करता है
- पेट की गैस में राहत
- गले से संबंधित परेशानियों में राहत
- दमा (अस्थमा) और घेंघा (थायराइड) रोग में लाभकारी है
- टीबी में फायदेमंद है

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

- अनियमित मासिक धर्म के दौरान होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव का इलाज करता है
- सर्दी और खांसी का इलाज करे
- पाचन क्रिया को बढ़ावा
- घावों को ठीक करे
- अस्थमा का इलाज करने में मदद करता है
- दिल के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना

Nagkesar

100 mg per 10 ml

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

Tulsi

100 mg per 10 ml

- विटामिन सी और जिंक की वजह से बूस्ट इम्युनिटी
- बुखार और दर्द कम करें
- सर्दी, खांसी और अन्य श्वसन विकारों को कम करें
- कैंसर रोधी गुण
- रक्त में लिपिड की मात्रा को नियंत्रित करके कार्डियोवास्कुलर/हृदय रोग को कम करें
- मधुमेह रोगी के लिए अच्छा
- गुर्दे की पथरी को कम करता है, यह शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को कम करता है
- अपच, भूख न लगना जैसी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्या में उपयोगी

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

- खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करें
- कैंसर के खतरे को कम करता है
- एड्स के खतरे को खत्म करता है
- त्वचा के संक्रमण का इलाज करें

Dalchini

100 mg per 10 ml

Kaali mirch

100 mg per 10 ml

- इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करता है
- वजन को कंट्रोल करने में मदद करता है
- रक्त में ग्लूकोज की मात्रा को कम करने में मदद करता है
- त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है
- ब्लड प्रेशर की समस्या को कंट्रोल में मदद करता है

Vaividang

100 mg per 10 ml

- रक्त को करें साफ
- अपच से दिलाए छुटकारा
- दांतो के दर्द और सूजन को दूर करने में उपयोगी है
- मुंह के छालों को दूर करने में उपयोगी है
- कब्ज की समस्या को दूर करने के साथ-साथ बवासीर की समस्या को दूर करने में भी बेहद उपयोगी है।

- आंखों की समस्या को दूर करने में मदद करता है
- किडनी की पथरी को कम करने में मदद करता है
- गठिया के रोग को दूर करने में मदद करता है
- गले की सूजन को दूर करने में मदद करता है

Anantmool

100 mg per 10 ml

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

अर्जुन के पेड़, फल, पत्तियों और जड़ों को कई बीमारियों को दूर करने के लिये प्रयोग करते हैं।

- **दिल की धड़कनों को करता है नॉर्मल**
- **यौन संबन्ध से पैदा होने वाली अनेको बीमारियां, जैसे गोनोरिया आदि को भी जड़ से मिटा देता है।**
- **हड्डी को जल्द ही जोड़े**
- **अर्जुन की छाल में मौजूद ट्राइटरपेनॉइड नाम का खास रसायन हृदय स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है**
- **हाई बी पी की शिकायत को दूर करे**
- **पेशाब की रूकावट दूर करे**

Arjun chhaal

100 mg per 10 ml

Deodaru

100 mg per 10 ml

देवदार के पेड़ के विभिन्न अंश जड़, फल, छाल और काठ का उपयोग भिन्न-भिन्न कामों के लिए किया जाता है।

- रोग पैदा करने वाले सूक्ष्मजीवों की वृद्धि को रोकता है
- मांसपेशियों की ऐंठन से राहत प्रदान करता है
- वायरस के खिलाफ लड़ता है
- पेट दर्द , पेट में गैस , पेट का फूलना आदि में आराम देता है

- पॉलीफेनोल्स और विटामिन सी की उच्च उपस्थिति के कारण प्रतिरक्षा को बढ़ावा दें
- पाचन में मदद करता है
- रक्त शुद्ध करता है
- रक्त गणना, हीमोग्लोबिन स्तर बढ़ाता है

Amla

50 mg per 10 ml

- "विथेनोलाइड्स" के कारण प्रतिरक्षा में सुधार करता है
- ब्लड शुगर कंट्रोल करें
- "विथेफेरिन" के कारण ट्यूमर / कैंसर को रोकें जो कैंसर कोशिकाओं की क्रमादेशित मृत्यु का कारण बनता है
- मांसपेशियों और ताकत को बढ़ाता है
- कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है
- स्मृति और मस्तिष्क में सुधार करता है

Ashwagandha

50 mg per 10 ml

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

Chirata

50 mg per 10 ml

- मधुमेह का इलाज करें
- वजन घटाने में मदद करता है
- बुखार का इलाज करता है
- रक्त शुद्ध करें
- त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार करता है

कसीस भस्म में हरी कसीस, हरी आंवला, भृंगराज और जंबीरी निम्बू रस शामिल हैं।
- एक आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन जिसमें डिटॉक्सिफिकेशन गुण होते हैं और प्राकृतिक आयरन सामग्री से भरपूर होता है।

कसिस भस्म

50 mg per 10 ml

- लीवर की बीमारी को रोकता है
- एनीमिया और शरीर की कमजोरी को दूर करता है
- शरीर से विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद करता है
- बैक्टीरिया या वायरल संक्रमण के खिलाफ जिगर और *प्लीहा को मजबूत करता है

spleen

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

- यौन प्रदर्शन में सुधार करता है
- गठिया का इलाज करें
- कैंसर का इलाज करता है
- मधुमेह को नियंत्रित करें

Safed Musli

50 mg per 10 ml

- इसके *रेचक गुणों के कारण पाचन में सुधार करें, और आंत बैक्टीरिया को प्रोत्साहित करें
- वजन घटाने में मदद करता है
- ब्लड शुगर को नियंत्रित रखें क्योंकि इसमें मैग्नीशियम होता है। जस्ता, क्रोमियम और मैंगनीज जो इंसुलिन की प्रभावशीलता में सुधार करते हैं
- शरीर को ठंडक देता है
- त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार, एक्जिमा, सनबर्न, रूसी जैसे घावों को ठीक करता है

Aloevera

50 mg per 10 ml

laxative

- पेट दर्द का इलाज
- हड्डी के स्वास्थ्य में सुधार

Shankha bhasma

50 mg per 10 ml

शिलाजीत हिमालय की चट्टान में पाया जाने वाला एक चिपचिपा पदार्थ है, यह पौधों के धीमे अपघटन से सदियों से विकसित होता है

- शरीर की ताकत और सहनशक्ति को बढ़ाता है
- उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को कम करें
- रक्त में आयरन का स्तर बढ़ाता है
- बांझपन का इलाज
- दिल के स्वास्थ्य में सुधार

Shilajit

50 mg per 10 ml

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

Kaunch beej

50 mg per 10 ml

- यौन इच्छा बढ़ाता है
- पार्किंसंस रोग का इलाज करें
- गठिया का इलाज करें
- स्तनपान में सहायक

Jatamansi

50 mg per 10 ml

जटामांसी अनेक स्वास्थ्यवर्धक गुणों वाला एक खास औषधीय पौधा है, जो प्रमुख रूप से हिमालय के क्षेत्रों में उगता है। इसे बालछड़ के नाम से भी जाना जाता है

- उच्च रक्तचाप को कम करने में प्रभावी है
- खट्टी डकार, पेट फूलना और कब्ज जैसी कई समस्याओं को भी दूर करता है
- बालों को मजबूत बनाए
- चिंता, तनाव व डिप्रेशन जैसी समस्या को दूर करता है

आम की गुठली फेनोल (phenols) और फेनोलिक यौगिकों (phenolic compounds) से भरी होती है, जो हमारे पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसके अलावा इसमें कार्बोहाइड्रेट, विटामिन बी 6 , प्रोटीन, विटामिन ई, डाइट्री फाइबर और अमीनो एसिड पाया जाता है

- तनाव को कम करने में मदद करता
- पेट दर्द, दस्त और डायरिया आदि समस्याओं को दूर करता है
- कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने का काम भी करती है और ब्लड फ्लो को ठीक रखती है
- शरीर से टॉक्सिक पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है और पाचन शक्ति को भी बढ़ाता है।
- डैंड्रफ को कम करने और बालों को मजबूत भी बनाता है

Mango seed

50 mg per 10 ml

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

सेमल के पेड़ को मालाबार कॉटन ट्री, रेड सिल्क कॉटन और रेड कॉटन के नाम से भी जाना जाता हैं। इस पेड़ की ऊंचाई लगभग 30 मीटर तक होती है

इस पेड़ पर लाल रंग के फूल खिलते हैं। इसके फूल में ही फल भी लगते हैं, जो शुरुआत में हरे रंग और समय बीतने पर भूरे या काले होने लगता हैं (1)। सेमल के इन हिस्सों का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है

- ल्यूकोरिया से राहत
- खून साफ करने के लिए
- मासिक धर्म में मदद
- यूरिनरी संबंधी समस्या को दूर करता है
- महिलाओं में ब्रेस्ट मिल्क का उत्पादन बढ़ाता है
- खांसी से राहत
- त्वचा संबंधित समस्याओं से बचाव

Semal

50 mg per 10 ml

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

- खैर के पेड़ को खदिर का पेड़ भी कहा जाता है ,

आयुर्वेद में खदिर की जड़, छाल, फूल, आदि का इस्तेमाल किया जाता है, पान के साथ खाया जानेवाला कत्था भी इसी से बनता है

- डायरिया से छुटकारा मिल सकता है।
- डायबिटीज में फायदेमंद
- खांसी में आराम मिलता है

Khair

50 mg per 10 ml

- सूखी अदरक को सोंठ कहते हैं. सोंठ में आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फाइबर, सोडियम, विटामिन ए और सी, जिंक, फोलेट एसिड, फैटी एसिड के गुण पाए जाते हैं.

- पेट संबंधी बीमारियों यानि गैस, अपच की समस्या में राहत दिलाता है
- शरीर को मौसमी बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं
- सिर दर्द और माइग्रेन को दूर करने में मदद करता है
- कोलेस्ट्रॉल लेवल और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है
- जोड़ों के दर्द में आराम देता है

Sonth

50 mg per 10 ml

Bhangra

50 mg per 10 ml

इस पौधे को भृंगराज भी कहते हैं , इसकी जड़ों से लेकर तने, पत्तियां और फूल को औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है।

- **बालों के लिए लाभदायक है**
- **लीवर की समस्या (पीलिया) को ठीक करने में मदद करता है**
- **खांसी (कफ) की रोकथाम में मदद करता है**
- **दस्त के इलाज में में मदद करता है**
- **बवासीर के इलाज में में मदद करता है**
- **पेट के संक्रमण, अल्सर, जलन और बैक्टीरिया से होने वाली आंतों की समस्या को दूर करने में मदद कर सकता है**
- **आंखों की देखभाल के लिए**
- **सांस की समस्या में फायदेमंद**

- महिलाओं में स्तन का दूध बढ़ाने में सहायक होता है
- बवासीर में लाभकारी
- बढ़ते वजन को कम करने में प्रभावी
- खांसी को करे कम

Safed zeera

50 mg per 10 ml

Harad

50 mg per 10 ml

हरड़, जिसे हरीतकी भी कहा जाता है, एक प्रसिद्ध जड़ी-बूटी है। यह त्रिफला में पाए जाने वाले तीन फलों में से एक है

- पाचन तंत्र को सुधरता है
- गैस, अपच और कब्ज जैसी पेट की कई समस्याओं में लाभदायक है
- उल्टी में भी राहत दिलाता है
- दस्त की समस्या में भी राहत दिलाता है
- यह बवासीर में होने वाले दर्द को कम करने और रक्तस्राव को रोकने में मदद करता है।

Lodhra

50 mg per 10 ml

लोध्र (Lodhra) एक सदाबाहर पेड़ है, पारंपरिक तौर पर लोध्र की जड़, छाल और पत्तियों का इस्तेमाल कई रोगों के इलाज के लिए किया जाता है।

- महिलाओं में पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम (PCOS) में राहत देता है
- शरीर के अंदर रक्तस्राव (Haemorrhage) बंद करने में राहत देता है
- दांतों से जुड़ी कई समस्याओं में राहत देता है
- महिलाओं की योनि में होने वाले अल्सर के इलाज में भी लाभकारी होता है

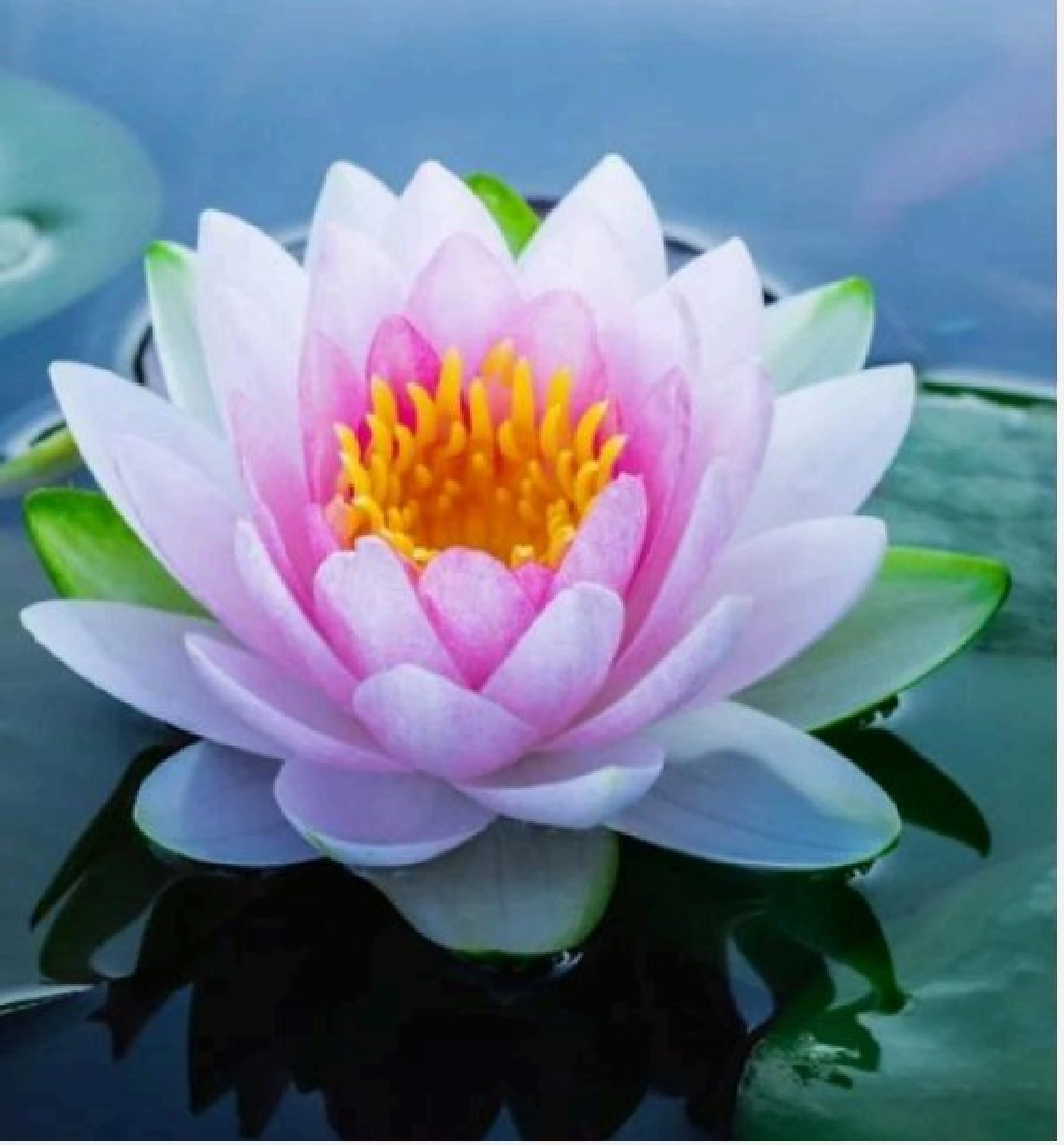

- सूजन व लालिमा को कम करने में मदद करता है
- संक्रमण से लड़ने में मदद करता है
- ब्लड शुगर को कम करने में मदद करता है
- लिवर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है

Kamal

50 mg per 10 ml

RAYHOPE GLOBAL

Ray of Hope

- गले के रोग दूर होते हैं
- आंखों की रोशनी बढ़ जाती है
- हाथ-पैर की जलन में लाभ मिलता है
- कब्ज से छुटकारा मिलता है
- खांसी और बलगम से छुटकारा मिलता है

Baheda

50 mg per 10 ml

मोथा एक तरह की घास (cyperus rotundus in hindi) है जो किसानों के लिए सिर दर्द बनी रहती है। क्योंकि यह इतनी तेजी से फैलती है कि खेतों में लगी फसल को बर्बाद कर देती है।

- आँखों की बीमारी को दूर करने में मदद करता है
- गठिया के दर्द में फायदेमंद
- बाहरी घाव-चोट को ठीक करे
- पेट के रोगों को ठीक करे

Motha

50 mg per 10 ml

दारूहरिद्रा को दारु हल्दी भी कहा जाता है। इसे अंग्रेजी में इण्डियन बर्बेरी कहा जाता है। दारुहरिद्रा नेपाल, श्रीलंका जैसे हिमालयी क्षेत्रों में पाया जाता है।

- घाव सुखाने में लाभकारी
- मधुमेह में प्रभावी
- त्वचा रोगों में फायदमेंद
- गठिया और जोड़ों के दर्द में लाभकारी
- लिवर की परेशानियों को करे दूर
- बवासीर में करे फायदा
- सूजन को कम करने में लाभकारी

Daru Haridra

50 mg per 10 ml

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

लाजवंती एक तरह का पौधा है, जिसे छुईमुई के नाम से भी जाना जाता है। इस पौधे को अंग्रेजी में टच मी नॉट के नाम से जाना जाता है। इस पौधे की पत्तियों व बीज अपने खास औषधीय गुणों के कारण कई प्रकार की दवाओं को बनाने में इस्तेमाल किए जाते हैं।

- तनाव से राहत
- मधुमेह में मददगार
- घाव भरने के लिए
- जोड़ों के दर्द में कमी
- मासिक धर्म से जुड़ी समस्याओं को दूर करने
- बवासीर के लिए
- पेट दर्द से राहत

Lajwanti

50 mg per 10 ml

- डायबिटीज में फायदेमंद
- किडनी रोगों में असरदार
- पाचन शक्ति बढ़ाने में
- कोलेस्ट्रॉल को करता है कम
- एनीमिया से दिलाए राहत
- आंखों की रोशनी बढ़ाएं

Dhaniya

50 mg per 10 ml

- सर्दी खांसी से बचाए
- पाचन तंत्र को करे तंदुरुस्त
- चर्म रोग में मददगार
- बुखार से राहत
- गले की खराश के लिए उपयोगी
- सिर के दर्द से राहत

Chitrak

50 mg per 10 ml

Singhara

50 mg per 10 ml

- अस्थमा के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होता है
- एनर्जी का अच्छा स्त्रोत
- थाइराइड कम करने में सहायक होता है.
- सर्दी, खांसी कफ को कम करता है
- गर्भाशय की रक्षा करता है, जिससे गर्भपात का खतरा कम होता है
- यूरिन इन्फेक्शन की समस्या को भी दूर करने में सहायक है.
- खून बढ़ाता है

- पाचन में सुधार के लिए
- बांझपन दूर करने में मदद करता है
- घाव भरने के लिए
- बुखार दूर करने में मदद करता है
- माइग्रेन दूर करने में मदद करता है
- त्वचा को चमकदार बनाने में
- गठिया के उपचार में

Nirgundi

50 mg per 10 ml

इन स्थितियों में नारी संजीवनी का उपयोग किया जा सकता है

Ayush, GMP, and WHO certified

500 ml

1199/- M.R.P

- PCOD
- PCOS
- लिकोरिआ (सफ़ेद पानी का आना)
- महिला बाँझपन
- मासिक - धर्म में दर्द
- अनियमित मासिक - धर्म
- रजनोवृत्ति के बाद की समस्या
- कम वज़न
- स्तनपान
- कम स्मृति
- उम्र बढ़ने की समस्या
- हृदय परेशानी
- खून की कमी
- अशुद्ध रक्त
- पीलिया
- मतली और उल्टी
- पेटदर्द

- बुखार
- सर्दी ज़ुखाम
- दमा
- श्वांस प्रणाली की समस्यायें
- गुर्दे की पथरी
- भूख में कमी
- ऑस्टियोपोरोसिस
- जिगर की समस्या
- आंतरिक अल्सर
- उच्च कोलेस्ट्रॉल
- आंतों में संक्रमण
- मलेरिया
- विषरोधक
- कब्ज
- हड्डी फ्रैक्चर
- कम शारीरिक शक्ति
- कम सहनशक्ति

- खट्टी डकार
- अधिक वजन
- मधुमेह
- त्वचा रोग
- लू लगना
- कैंसर / ट्यूमर
- जोड़ों का दर्द
- बदन दर्द
- कम प्रतिरक्षा
- उच्च रक्तचाप
- दस्त
- मानसिक विकार
- दृष्टि समस्या
- मुंहासा
- अनिद्रा
- गले में संक्रमण

Product by Rayhope Global Marketing PVT LTD

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

Rayhope Global Marketing Private Limited

ऐसी स्थिति में नारी संजीवनी का इस्तेमाल बिना डॉक्टर से पूछे नहीं करना चाहिए

- गर्भावस्था की अवधि के दौरान
- गंभीर गुर्दे की समस्या के दौरान
- लीवर की गंभीर समस्या के दौरान

RAYHOPE GLOBAL
Ray of Hope

Ayush, GMP, and WHO certified

500 ml

1199/- M.R.P

Dose

10 से 20 मिलीलीटर नारी संजीवनी दिन में दो बार

www.rayhopeglobal.com **info@rayhopeglobal.com**